रेत व्यापारियों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की

इंदौर ,21 अक्टूबर (ए)। अवैध वसूली के विरोध में रेत व्यापारियों ने बायपास पर प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए। रेत व्यापारियों ने कहा इंदौर-नेमावर रोड पर दो हजार से अधिक रेत के ट्रक और डंपर निकलते हैं। आरोप लगाया कि ओवर लोड ट्रकों में एंट्री के नाम पर तीन हजार से लेकर दस हजार तक लिए जाते हैं। रेत व्यापारियों ने मांग की कि जिस तरह ओवर लोड वाहनों पर पुलिस प्रशासन कार्रवाइ करता है, ऐसी ही खदान पर भी की जाए। रेत व्यापारियों को चेकिंग के नाम पर परेशान करने की कार्रवाई तत्काल बंद करें। खदानों पर तौल-कांटा लगाकर रेत वाहनों में भरी जाए। रॉयल्टी से अधिक रेत परिवहन पाए जाने पर आर्थिक दंड का नियम है।

बीडी शर्मा बताए कब जारी होगा भाजपा का दृष्टि पत्र : भूपेन्द्र गुप्ता

भोपाल 21 अक्टूबर (ए)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के उपाध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस के वचन पत्र पर बोलने के बजाए भाजपा अध्यक्ष यह बताएं कि क्या उनका दृष्टि पत्र कब जारी होगा। गुप्ता ने सवाल किया कि जब भी जनता आपकी दृष्टि पत्र की बात करती है आप चुप हो जाते है। गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने 2018 के दृष्टि पत्र जिसे जनता ने खारिज कर दिया था। उसमें वादा किया था कि 10 लाख लोगों को हर साल नौकरी देंगे क्या विष्णु दत्त शर्मा जी बताएंगे कि इन 6 महीनों में कितने लोगों को नौकरी दी? भाजपा ने वादा किया था कि 75त्न लाने वाली हर बच्ची को स्कूटी मुफ्त देंगे और उसका रजिस्ट्रेशन सरकार कराएगी क्या विष्णु दत्त जी बताएंगे कि उनकी

नशे में पार्टी करने वाले चार स्वास्थ्य कर्मचारी निलंबित

बालाघाट 21 अक्टूबर (ए)। कन्या छात्रावास परिसर गोंगलाई बालाघाट स्थित कोविड केयर सेंटर में शराब पार्टी करने के मामले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने चार कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करदिया। स्वास्थ्य कार्यकर्ता रमाकांत नागपुरे, नरेश बोहरे, राजेंद्र तुरकर, और बालाघाट के स्वास्थ्य कार्यकर्ता खेम सिंह सहारे के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

धान क्रय केंद्रों पर किया जा रहा किसानों के साथ सौतेला व्यवहार-आशीष सिंह

कछौना,हरदोई ,21 अक्टूबर (ए)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर ब्लॉक कछौना की न्याय पंचायत गाजू व पतसेनी देहात के ग्राम टिकारी एवं ग्राम भीरीघाट में आज संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत संगठन के गठन के लिये बैठक कर किसान अध्यादेश के विरोध में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव जीतलाल सरोज शामिल हुए।बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश सचिव जीतलाल सरोज ने कहा कि धान क्रय केंद्रों पर किसानों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है।सरकार क्रय केंद्रों पर किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं दे पा रही है।चुनाव में मोदी जी ने किसानों से जो बड़े बड़े वादे किए वो सब झूठे निकले।जिलाध्यक्ष आशीष कुमार सिंह ने कहा कि सरकार की पूंजीवादी सोच की कार्यशैली की वजह से आज किसानों को उनकी फसल की लागत मिलना तक मुश्किल हो रहा।पाँच छह दिनों तक दिन रात किसान क्रय केंद्रों पर अपनी फसल लेकर तौल का इंतजार करते हैं उनकी कोई सुनवाई नहीं। जिला महासचिव शशिबाला वर्मा ने कहा कि धान क्रय केंद्रों पर किसानों के धान की बिक्री न होने से किसान परेशान हैं।मोदी जी ने किसानों की आय दो गुना करने का वादा करने वाली सरकार में किसान अपनी फसल को औने पौने दामों पर बिचौलियों और आढ़तियों को बेचने पर मजबूर है।

लेखपाल संघ का चुनाव 23 अक्टूबर को होगा

उरई ,21 अक्टूबर (ए)। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उपशाखा कोंच के मंत्री सुरेंद्र सिंह निरंजन ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि कोंच लेखपाल संघ का कार्यकाल पूर्ण हो चुका है। जिसका विधिवत चुनाव दिनांक 23 अक्टूबर 2020 दिन शुक्रवार को समय 11 बजे दिन में तहसील प्रांगढ़ में सम्पन्न करवाया जाएगा। जिसकी अनुमति उपजिलाधिकारी अशोक कुमार के द्वारा प्राप्त हो चुकी है। उक्त चुनाव खण्ड मंत्री दिनेश श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष अरबिंद कुमार यादव, जिला मंत्री अमित पाल एवं लज्जाराम जिला उपाध्यक्ष ओम नारायण जिला आडीटर अखलेश खरे और जिला संगठन मंत्री अनिल कुमार निरंजन की देखरेख में चुनाव सम्पन्न होगा।

सात माह बाद स्कूलों में लौटी रौनक,दिखे छात्र

देवरिया ,21 अक्टूबर (ए)। न जाने इस चमन को क्या हो गया,खुशबू यहां की कहां खो गया।÷ शायर की ये पंक्तियां कोरोना काल मे लगातार सात माह तक बंद रहे विद्यालयों पर सटीक बैठती है, जिनमें लम्बे समय तक विरानी छाई रही। इस दौरान विद्यालयों के छात्र रूपी फूल व पठन-पाठन रूपी सुगन्ध गायब रहे।वहीं सात माह बाद स्कूलों के खुलने के साथ खोई हुई रौनक वापस लौटी।लम्बे अंतराल के बाद माध्यमिक विद्यालयों में छात्र दिखे।बता दें कि कोरोना के बढ़ते हुए प्रकोप से बचाव हेतु भारत सरकार द्वारा 19 मार्च 2020 को सम्पूर्ण देश में जनता कर्फ्यू की घोषणा की गई।वहीं 24 मार्च 2020 से सम्पूर्ण लॉक डाउन लागू कर दिया गया।यह लॉक डाउन समय-समय पर बढ़ता रहा।इस दौरान स्कूल-कालेज सब बन्द हो गए।वहीं सात माह बाद 19 अक्टूबर 2020 से जब कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक के माध्यमिक विद्यालयों को सरकार द्वारा खोलने की घोषणा की गई, तो छात्रों व शिक्षकों की खुशियों का कोई ठिकाना नहीं रहा।सोमवार से नौवीं से बारहवीं कक्षाओं तक के विद्यालय खुल गए।हालांकि पहले दिन छात्रों की संख्या काफी कम रही।बावजूद इसके स्कूल आने वाले छात्रों का उत्साह व उमंग सातवें आसमान पर दिखा।छात्रों ने जब स्कूल गेट पर कदम रखा,तो वे खुशियों से मचल पड़े।मानो उन्हें नए जीवनदान मिल गया हो।वहीं अपने महकते हुए फूलों को देखकर शिक्षकों का हृदय भी गदगद हो उठा।अध्यापकों ने अपने छात्रों की स्वर्णिम भविष्य की कामना की।इस प्रकार सात माह बाद विद्यालय पुनः गुलजार हो उठे।भाटपार रानी तहसील क्षेत्र के पिपरा बघेल स्थिल आईबीएस इंटर कॉलेज में पढ़ाई के लिए पहुंचे दसवीं कक्षा के कुमारी खुशी,आंचल कुशवाहा, छोटी मिश्रा,अनिता कुशवाहा, श्वेता सिंह,सरिता सिंह,आनन्द कुशवाहा, अभय कुशवाहा, आदित्य सिंह,अमन मद्धेशिया, मिथुन गुप्ता, अश्वनी सिंह,अंकुश सिंह,रौनक सिंह आदि छात्र-छात्राओं ने बताया कि सात माह तक घर बैठे-बैठे हम लोग ऊब गए हैं।अब विद्यालय आकर मन व मष्तिष्क को काफी सुकून मिला है।शिक्षक दुर्गेश मिश्र ने कहा कि इतने लम्बे समय तक छात्रों से दूर रहना दुर्भाग्यपूर्ण रहा।ईश्वर करे कि पठन-पाठन का माहौल पटरी पर वापस लौट जाए।वहीं बंगरुआ स्थित नेहरू इंटर कॉलेज के दसवीं के मनीषा,अमृता सिंह, गुड़िया गुप्ता,करिश्मा गुप्ता, ज्योति,निशा,मुन्नी,विवेक यादव,युवराज सिंह, साबिर अंसारी आदि छात्र-छात्राओं ने कहा कि सात माह बाद क्लास रूम में कदम रखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।कोरोना ने हमें गुरुजनों व स्कूल से दूर कर दिया था।नेहरू इंटर कॉलेज बंगरुआ के प्रधानाचार्य अभिषेक पांडेय व श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज हाता के प्रधानाचार्य रमाकांत सिंह ने बताया कि स्कूल आने के इच्छुक छात्रों के अभिभावकों से सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करवाया जा रहा है। छात्रों का थर्मल स्क्रीनिंग भी की जा रही है।

मौन व्रत पर बैठी भाजपा, मायावती ने साधा निशाना

✷ कमलनाथ के बयान पर बवाल

भोपाल ,21 अक्टूबर (ए)। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा डबरा की एक सभा मे मंत्री इमारती देवी को लेकर दिए गए बयान पर बवाल मच गया है। बयान के बाद जहाँ भाजपा कमलनाथ पर हमलावर हो गई है, वही बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा है। बयान पर मंत्री इमरती देवी ने कमलनाथ को कांग्रेस से निकालने की मांग करते हुए कहा कि एक मा बहन ओर बेटी के लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग करना अपमानजनक है। इधर प्रदेश भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने दो घंटे मौन व्रत पर बैठकर अपना विरोध भी जताया है।

शिवराज सिंधिया ने की आलोचना

बयान पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कमलनाथ जी आप मुझे आप कलाकार कहिये, भूखा-नंगा कहिये, बर्दाश्त कर लूंगा; लेकिन मां-बहनों और बेटियों का अपमान नहीं सहा जायेगा।मैडम सोनिया गांधी जी, आप स्वयं मां, बहन, बेटी हैं; आपसे पूछना चाहता हूं कि क्या किसी महिला के विरुद्ध ऐसी टिप्पणी उचित है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि एक गरीब और मजदूर परिवार से आगे आईं दलित नेता इमरती देवी जी को डबरा में आइटम और जलेबी कहना अत्यंत निंदनीय और आपत्तिजनक है - ये कमलनाथ जी की मानसिकता को भी दर्शाता है। महिलाओं के साथ ही समूचे दलित समाज का अपमान करने वाले ऐसे मगरूर नेता को सबक सिखाने का समय आ गया है

मायावती बोली माफी मांगे कांग्रेस

कमलनाथ के बयान पर बसपा प्रमुख मायावती ने कांग्रेस को घेरा है। मायावती ने कहा कि .मध्यप्रदेश में ग्वालियर की डाबरा रिजर्व विधानसभा सीट पर उपचुनाव लड़ रही दलित महिला के बारे में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व सीएम द्वारा की गई घोर महिला-विरोधी अभद्र टिप्पणी अति-शर्मनाक व अति-निन्दनीय। इसका संज्ञान लेकर कांग्रेस आलाकमान को सार्वजनिक तौर पर माफी माँगनी चाहिए। उन्होंने इसके लिए कांग्रेस पार्टी को इसका सबक सिखाने व आगे महिला अपमान करने से रोकने आदि के लिए भी खासकर दलित समाज के लोगों से अपील है कि वे एम.पी. में विधानसभा की सभी 28 सीटों पर हो रहे उपचुनाव में अपना वोट एकतरफा तौर पर केवल बी.एस.पी. उम्मीदवारों को ही दें तो यह बेहतर होगा।

दिग्विजय ने किया पलटवार

भाजपा द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर किए जा रहे हमले पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने पलटवार किया है। दिग्विजय ने कहा कि कमलनाथ जी ने किस संदर्भ में इमरती देवी जी को आइटम कहा मैं नहीं जानता। लेकिन विरोध में भाजपा ने मौन रखने का निर्णय समझ से परे है। उन्होंने तंज कसा कि जब हाथरस में दलित युवती का बलात्कार हुआ तब भाजपा द्वारा एक शब्द इस घटना के ख़िलाफ़ में क्यों नहीं निकला? मामा मदारी का रोल ना करो नाटक नौटंकी बंद करो

शिवराज ने लिखा सोनिया गांधी को पत्र

कमलनाथ के बयान पर सीएम शिवराज सिंह ने कांग्रेस अध्क्श सोनिया गांधी को पत्र लिखा है पत्र मे उन्होने शिवराज ने लिखा कि मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा उप चुनाव में प्रचार के दौरान आपकी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ ने प्रदेश की केबिनेट मंत्री व अनुसूचित जाति की महिला नेत्री सुश्री इमरती देवी पर अभद्र व अशोभनीय टिप्पणी ठहाके लगाते हुए की। वह टिप्पणी इतनी अभद्र है कि मैं उसका उल्लेख अपने पत्र में करना किसी महिला का पुन- अपमान करना जैसा मानता हूं। देश के सभी राष्ट्रीय न्यूज चैनलों ने श्री कमलनाथ द्वारा सुश्री इमरती देवी पर अभद्र टिप्पणी बताकर प्रमुखता से इस खबर को दिखाया।

क्या कहा था कमलनाथ ने

रविवार को ग्वालियर जिले की डबरा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश राजे के समर्थन में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भाजपा प्रत्याशी और मंत्री इमरती देवी का नाम लिए बगैर उन्हे आइटम कहा था । उन्होंने कहा कि हमारे राजे तो सीधे-साधे और सरल हैं। ये उसके जैसे नहीं हैं। मैं क्यों उसका नाम लूं। इतने में लोग बोले- इमरती देवी। इस पर हंसते हुए कमलनाथ बोले- आप लोग मेरे से ज्यादा उसको पहचानते हैं। आप लोगों को तो मुझे पहले ही सावधान कर देना चाहिए था। वह क्या आइटम है।

महापौर चुनाव के लिए 37 मुक्त चुनाव चिन्ह होंगे, तैयारी शुरू

भोपाल 21 अक्टूबर (ए)। मध्य प्रदेश में विधानसभा के उपचुनाव के साथ ही नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। नगरीय निकाय चुनाव दिसम्बर में कराए जाने की संभावना है। इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने मुक्त चुनाव चिन्ह घोषित कर दिए हैं। नगर निगम के महापौर, नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष के लिए नल, टेबल, पंखा, गुब्बारा सहित 37 चिन्ह मुक्त श्रेणी में रखे हैं। इसी तरह पार्षदों के लिए केक, कैमरा, प्रेस, नाव सहित 31 चुनाव चिन्ह मुक्त श्रेणी में रखे गए हैं। चुनाव चिन्हों का आवंटन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगा। सूत्रों का कहना है कि दिसम्बर में यदि चुनाव नहीं कराए जाते हैं तो फिर यह तीन-चार माह के लिए टल जाएंगे। एक जनवरी, 2021 को 18 साल के होने वाले मतदाताओं के नाम सूची में शामिल करने का काम शुरू होगा। इन्हें शामिल किए बगैर चुनाव नहीं कराए जाएं। इसके मद्देनजर ही नगर पालिका विधि अधिनियम में संशोधन के लिए अध्यादेश जारी किया गया है। इसके तहत चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से ही कराए जाएंगै। आयोग ने तय किया है कि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के लिए आरक्षित चुनाव चिन्हों को छोड़कर बाकी मुक्त श्रेणी में रखे गए हैं। महापौर अध्यक्ष के लिए मुक्त चिन्ह इस प्रकार हैं - नल, टेबल पंखा, गुब्बारा, स्लेट, बिजली का स्विच, कांच का गिलास, रेडियो, खंबे पर ट्यूबलाइट, स्टूल, गैस बत्ती, रोड रोलर, बस, सीटी, प्रेशर कुकर, बल्लेबाज, मटका, गाड़ी, बैटरी-टार्च, सूरजमुखी, गेहूं की बाली, सब्जियों की टोकनी, हार, अंगूठी, बेंच, गैस सिलेंडर, पीपल का पत्ता, हारमोनियम, हाथ चक्की, डबल रोटी, मेज, ब्रीफकेस, गैस स्टोव, दरवाजा, ब्रश, बल्ला, वायलिन और बेलन शामिल हैं तो वहीं पार्षदों के लिए मुक्त चुनाव चिन्हों में केक, कैमरा, गाजर, कोट, टेंट, चारपाई, सिलाई की मशीन, नाव, स्कूटर, जीप, ब्लैक बोर्ड, टेलीफोन, टेलीविजन, कप और प्लेट, बरगद का पेड़, लेटर बॉक्स, अलमारी, हॉकी और गेंद, डीजल पंप, दो तलवार और एक ढाल, डोली, फलों सहित नारियल का पेड़, कैंची, बाल्टी, कमी, फॉक, केतली, लेडी पर्स, भोंपू, सेव और प्रेस शामिल हैं।

सुरखी का उपचुनाव दलबदलू के मुद्दे को विसारकर विकास, विश्वास और विरासत पर हो रहा

सागर ,21 अक्टूबर (ए)। हमेशा से हाईप्रोफाइल रही सागर जिले की सुरखी सीट में इस बार दलबदलू का मुद्दा ही खत्म हो गया है। 2003, 2008 और 2018 में कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा बने गोविंद सिंह राजपूत इस उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी होंगे। राजपूत मार्च में ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए थे। वे अब राजस्व और परिवहन विभाग के कैबिनेट मंत्री हैं, जबकि 2013 में राजपूत को भाजपा के टिकट पर महज 141 वोट से हराने वाली पारुल साहू अब कांग्रेस प्रत्याशी हैं। राजपूत अभी तक विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रमुख स्थानों पर सभाएं कर चुके हैं और कांग्रेस के विरोध के बावजूद क्षेत्र में रामशिला यात्रा निकाल चुके हैं। इधर, पारुल साहू भी रोज आठ-दस ग्राम पंचायतों में पहुंच रही हैं। पारुल के साथ पूरी जिला कांग्रेस दिखाई दे रही है। अभी उनका फोकस भाजपा के गढ़ माने जाने वाले इलाकों पर है, क्योंकि यही से वोटों का फेरबदल संभव है। राजपूत और पारुल दोनों की नजर ओबीसी मतदाताओं पर है, जिनकी संख्या इस क्षेत्र में 1.10 लाख है। राजपूत ने लोधी समाज को लुभाने के लिए केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल का कार्यक्रम क्षेत्र में कराया। वहीं पारुल साहू पूर्व मंत्री हर्ष यादव के साथ क्षेत्र में जनसंपर्क कर रही हैं। दोनों प्रत्याशी अपने-अपने कार्यकाल में हुए कामों को गिना रहे हैं, लेकिन क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यहां मुख्य समस्या तो बेरोजगारी है। लोगों को रोजी-रोटी के लिए बाहर जाना पड़ता है। लॉकडाउन के दौरान इसकी हकीकत सामने आ चुकी है। राजपूत विकास के मुद्दे पर चुनाव लडऩे की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने जगह-जगह शिलान्यास-लोकार्पण किए हैं। पारुल भी अपने कार्यकाल में हुए कामों को गिना रही है। मौका मिला तो विकास का वादा कर रही है। राजपूत के खिलाफ आज कांग्रेस ही खड़ी है। जिन भाजपा नेताओं के खिलाफ रहे और कौन नहीं, ये पता करना मुश्किल होगा। यही स्थििति पारुल की भी है। राजपूत के साथ उनका पूरा परिवार और कई समर्थक भी भाजपा में आए हैं। पारुल के पिता भी विधायक रह चुके हैं। इसलिए विरासत के नाम पर मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश की जाएगी। वर्ष 20189 में गोविंद सिंह राजपूत ने भाजपा के सुधीर यादव को 21418 वोटों से हराया। वर्ष 2013 में भाजपा के टिकट पर लड़ी पारुल साहू (वर्तमान कांग्रेस) यहां जीती थी। उससे पहले 2008 और 2003 में लगातार गोविंद सिंह राजपूत जीते थे। वर्ष 1998 और 2003 में लगातार गोविंद सिंह राजपूत जीते थे।

मेंदोला ने मोह लिया जगमोहन को, खड़ी कराई की शर्त पर भाजपा में वापस लौटे

इंदौर 21 अक्टूबर (ए)। भाजपा से रूठकर शिवसेना से सांवेर उपचुनाव लडऩे की घोषणा करने वाले अनुसूचित जाति मोर्चा के नेता जगमोहन वर्मा वापस भाजपा में लौट आए। वे मजदूरों के हित में खड़ी कराई व्यवस्था को फिर शुरू करने की शर्त पर पार्टी में वापस आए हें। इस व्यवस्था को कमलनाथ सरकार ने बंद करवा दिया था। व्यापारी इस अनैतिक व्यवस्था के खिलाफ थे। जगमोहन वर्मा की वापसी की ये शर्त क्या रंग लाती ह ये देखना है। सांवेर उपचुनाव से पहले भाजपा को उस समय झटका लगा था, जब अनुसूचित जाति मोर्चा के नेता ने विरोध स्वरूप पार्टी से इस्तीफा देकर शिवसेना का दामन थाम लिया था। जगमोहन वर्मा के पार्टी छोडऩे के भाजपा को डर था कि वे सांवेर में पार्टी का नुकसान कर सकते हैं। ग्रामीणों में पैठ रखने वाले जगमोहन वर्मा ने शिवसेना से परचा भी दाखिल कर दिया था। इसका खामियाजा भाजपा उम्मीदवार तुलसी सिलावट को भुगतना पड़ता। क्योंकि, जब भी तुलसी सिलावट ने कांग्रेस से चुनाव लड़ा, उन्हें हराने में वर्मा ने पूरा जोर लगाया। जब उनके पार्टी छोडऩे की जानकारी पार्टी को लगी, तो उन्हें मनाने जिम्मेदारी भाजपा विधायक रमेश मेंदोला और आकाश विजयवर्गीय को सौंपी गई। हालांकि, इसके पहले कई भाजपा नेताओं ने वर्मा को मनाने की कोशिश की, लेकिन नतीजा सिफर रहा था। ऐसे में रविवार को रमेश मेंदोला और आकाश विजयवर्गीय दोनों जगमोहन वर्मा के निवास पर पहुंचे ओर मान मनोव्वल करके उन्हें मनाया। जगमोहन वर्मा मान गए और फिर से भाजपा के दामन थाम लिया। अब वे सांवेर में भाजपा के लिए काम करेंगे। बीते 40 सालों से बीजेपी अनुसूचित जाति का एक बड़ा चेहरा रहे जगमोहन वर्मा की नाराजगी मजदूरों के हक लेकर की थी। खड़ी कराई' व्यवस्था बंद होने से वे नाराज चल रहे थे। इससे मजदूरों का सीधा नुकसान हाना तय था। लिहाजा, वर्मा ने अपनी मांग के नहीं माने जान पर भाजपा छोड़कर शिवसेना ज्वाइन कर ली थी। मजदूरों के हित की लड़ाई वो वर्षो से लड़ते आ रहे हैं। मजदूरों की मांग विधायक रमेश मेंदोला ने जगमोहन वर्मा को आश्वस्त किया है कि उचित समय पर उचित निराकरण कर दिया जाएगा। उन्होंने मीडिया से कहा कि वर्मा ऐसे नेता है जिन्हें भाजपा के लिए लंबा संघर्ष किया है। आज भी उनके मार्गदर्शन में कई कर्ताधर्ता विधायक बने हैं। सारे गिले, शिकवे भुलाकर दोबारा भाजपा में शामिल होने के बाद जगमोहन वर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी मेरी माँ है। माँ से बच्चे नाराज भी होते हैं, लेकिन जब माँ के साथ में रहकर हम अपना जीवन यापन करते हैं राजनीति करते हैं तो उसको तो नहीं भूला जा सकता। जब परिवार के लोग ये कहते हैं कि आपकी बात मानी जाएगी तो फिर माँ को छोडऩे का सवाल ही पैदा नहीं होता। वर्मा ने मीडिया से कहा कि वो भाजपा में शामिल हो गए और अब वो सांवेर उपचुनाव में दाखिल किए नामांकन को वापस लेंगे।

गुड्डू की टिप्पणी से नाराज भाजपा नेता के बेटे ने आपत्ति उठाई, कार्रवाई की चेतावनी

इंदौर ,21 अक्टूबर (ए)। सांवेर उपचुनाव में धरमपुरी के पूर्व भाजपा नेता स्व. बाबू गांधी के बारे में कांग्रेस उम्मीदवार प्रेमचंद गुड्डू ने सार्वजनिक टिप्पणी की थी। उसे लेकर स्व. गांधी के बेटे शक्ति गांधी ने प्रेस वार्ता कर अपनी बात रखी। शक्ति द्वारा बताया गया कि प्रेमचंद गुड्डू जब विधायक थे तब लोगों को धमकाने का काम करते थे और आज भी वही काम कर रहे हैं। हमारीसमाज में मान प्रतिष्ठा है, जिसे प्रेमचंद गुड्डू द्वारा धूमिल किया जा रहा है। हम त्रस्त हो चुके हैं आने वाले समय में हम हमारे वकील से चर्चा कर कानूनी कार्रवाई व मानहानि का दावा कांग्रेस प्रत्याशी प्रेमचंद गुड्डू पर करेंगे। वे मंचों से मेरे स्वर्गीय पिताजी के बारे में अपमाजनक बातें कर उनकी छवि धूमिल कर रहे हैं। तुलसी सिलावट पर 30 सालों से सांवेर में कांग्रेसी राजनीतिक करते रहे और अब भाजपा में आए हैं। लेकिन, कभी उनके व्यवहार में इस तरह की कोई बात नजर नहीं आई। वे सहज व सरल स्वभाव के व्यक्ति हे। वहीं भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सोहन पटेल ने कहा कि बाबू गांधी हमारे कर्मठ व जुझारू नेता थे, जो जनसंघ के जमाने से भारतीय जनता पार्टी का काम करते आ रहे थे। मैंने उनके साथ काफी वर्षों तक काम किया उनकी छवि को खराब करने जिस तरह से प्रेमचंद गुड्डू बार-बार कोशिश कर रहे हैं। उससे साबित होता है कि आज भी उनका डर प्रेमचंद गुड्डू के दिलो-दिमाग पर है। कई बार प्रयास के बाद भी उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का साथ नहीं छोड़ा। यहां तक कि प्रेमचंद गुड्डू के द्वारा राजनीतिक द्वेष के चलते उनका ढाबा जो धरमपुरी में था, उसे तुड़वा दिया गया, लेकिन उसके बाद भी वे नहीं झुके। भाजपा मंडल अध्यक्ष सुमेर सिंह सोलंकी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संस्कारों की पार्टी है।

दलित युवक की हत्या कर खेत में फेंकी लाश,परिवार में मचा हाहाकार

सुरसा,हरदोई ,21 अक्टूबर (ए)। सुरसा थाना क्षेत्र के सथरी मजरा खजुरहरा निवासी एक युवक की सोमवार की रात बेरहमी से हत्या कर दी गई। हत्या के बाद पडोसी गांव झिनवा के समीप एक खेत में मंगलवार की सुबह युवक की लाश मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।पुलिस ने मृतक के बडे भाई की तहरीर पर हत्यारों के खिलाफ केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।सुरसा के सथरी निवासी रोशन रैदास पुत्र जगदीश (20) तीन भाइयों में दूसरे नम्बर का तथा अविवाहित था।लगभग तीन वर्ष पूर्व बीमारी के चलते पिता जगदीश के देहान्त के बाद वह गांव में मां के साथ रहकर खेती बाड़ी का काम करता था।सोमवार की शाम को मृतक घर से निकला लेकिन लौटकर नहीं आया।देर रात से परिजन उसकी खोजबीन में जुटे थे। मंगलवार की सुबह परिजनों को पता चला कि रोशन का शव पडोसी गांव के किनारे शिवकुमार के खेत में पड़ा है। देखते ही देखते मौके पर सैकड़ो लोगों की भीड़ जमा हो गई।

हजारों भक्तों ने किये माँ चामुंडा और तुलजा भवानी के दर्शन

देवास ,21 अक्टूबर (ए)। शारदीय नवरात्र की शुरुआत होने के साथ ही देवास स्थित टेकरी पर माँ चामुंडा और माँ तुलजा भवानी के दरबार में श्रद्धालु भक्तों का मेला लगने लगा है। पहले दो दिनों में ही हजारों भक्तों ने माता के दरबार में हाजिर होकर माँ के दर्शन किये और मुरादें मांगी। नवरात्र में पूरे नौ दिनों तक माता के दरबार में दूर-दूर से लोग वहां आकर माँ के दरबार में हाजिरी लगाते हैं और अपनी मुरादों संग माँ के दर्शनों का लाभ उठाते हैं।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं कु. सोफिया पिटर, पिता श्री दिनेश पिटर, पता-गुरूनाम सिंह गली, शांति नगर वार्ड जगदलपुर, बस्तर (छ.ग.), जी. एन. एम. की पढ़ाई सूर्या नर्सिंग कॉलेज, गीदम रोड जगदलपुर में सत्र 2015-2018 में पूर्ण कर चुकी हूं। परन्तु मेरा जी. एन. एम. द्वितीय वर्ष का ओरिजनल मार्कशीट गुम हो चुका है। यदि किसी व्यक्ति को मेरा मार्कशीट मिलता है तो कृपया मुझे इस न. 9340471513 पर सूचित करें।

धन्यवाद

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) कांकेर संभाग-कांकेर
निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-2716/NIT-13/2020-2021/व ले लि दिनांक 19/10/2020

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 29/10/2020 अपरान्ह 5:30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 04/11/2020 अपरान्ह 5:30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 05/11/2020 पूर्वान्ह 11:30 बजे तक
निविदा प्रपत्र की कीमत (रू.में) :- -A(a)
निविदाकारों की श्रेणी :- RJM
कार्य की अवधि :- 02 माह वर्षा ऋतु सहित

एन.आई.टी. क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम NO Of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू.में) बैंक साल्वेंसी (रू.में)
1	2	3
T0041	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन शाहवाडा में शौचालय निर्माण कार्य। (ब्लॉक चारामा) प्रथम आमंत्रण	1.20 0.00 0.00
T0042	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन हलबा में शौचालय भवन का निर्माण कार्य। (ब्लॉक चारामा) प्रथम आमंत्रण	1.20 0.00 0.00

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) कांकेर
संभाग-कांकेर

जी-84423/1

पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी
बी-14/ए, छत्रपति शिवाजी भवन,
कुतब संस्थागत क्षेत्र, कटवारिया सराय,
नई दिल्ली-110016

25 सितम्बर 2020

आम सूचना

पीएफआरडीए/एनपीएस के नाम पर फर्जी प्रस्ताव के खिलाफ चेतावनी

ऐसी सूचना मिली है कि कतिपय शरारती तत्वों द्वारा पीएफआरडीए के नाम से फोन पर एनपीएस/पीएफआरडीए में पड़ी बड़ी रकम जारी करने का वादा किया जा रहा है और इन अज्ञात टेलीफोन कर्ताओं द्वारा रकम वसूली किए जाने के लिए भ्रामक स्पष्टीकरण भी दिए जाते हैं।

यह सूचित किया जाता है कि पीएफआरडीए एक संवैधानिक निकाय है जो राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) को नियंत्रित करता है और आम जनता को एतद द्वारा सचेत किया जाता है कि वे ऐसे शरारती तत्वों के षड़यंत्र का शिकार नहीं बने जो मासूम नागरिकों को एनपीएस/पीएफआरडीए के नाम पर धोखा देने की कोशिश कर रहे हैं।

पीएफआरडीए कभी भी व्यक्तियों को एनपीएस/पीएफआरडीए से निधि जारी किए जाने के लिए रकम जमा करने हेतु अनुरोध नहीं करता। धोखाधड़ी की ऐसी कोई भी सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें।

pfrda

davp 15102/11/0007/2021